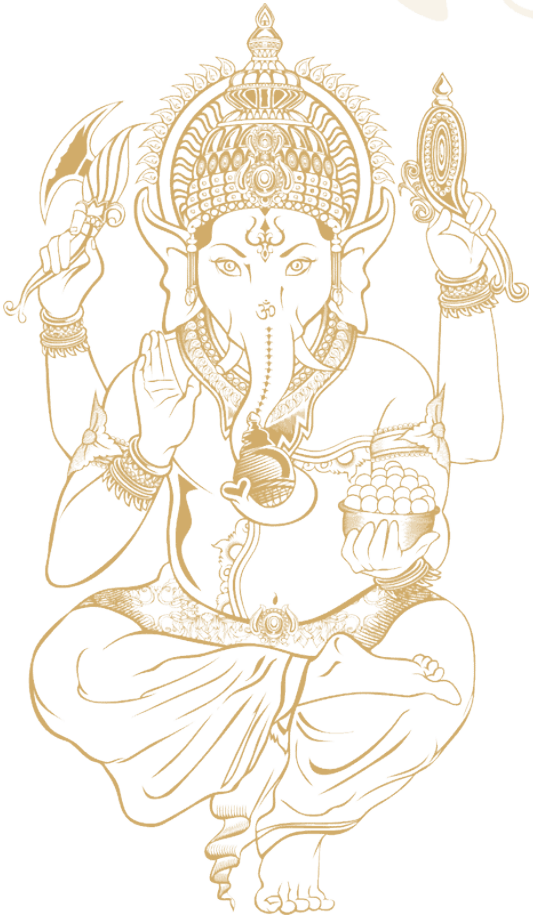

Mr. Aditya mani tripathi

12 Oct 1996

02:36 AM

Deoria

Model: web-freekundliweb

Order No: 119922807

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**11-12/10/1996**
दिन	शुक्र-शनिवार
जन्म समय	**02:36:00 घंटे**
इष्ट	51:49:32 घटी
स्थान	**Deoria**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	26:31:00 उत्तर
रेखांश	83:48:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:05:12 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	02:41:12 घंटे
वेलान्तर	00:13:17 घंटे
साम्पातिक काल	04:04:07 घंटे
सूर्योदय	05:52:11 घंटे
सूर्यास्त	17:30:32 घंटे
दिनमान	11:38:22 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	25:00:36 कन्या
लग्न के अंश	10:22:05 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**कन्या - बुध**
नक्षत्र-चरण	**हस्त - 2**
नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
योग	ऐन्द्र
करण	चतुष्पाद
गण	देव
योनि	महिष
नाड़ी	आद्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	मानव
वर्ग	मेष
युँजा	मध्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	ष-षडबली
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला

डॉ. मनीष कुमार शुक्ल
श्री बैकुण्ठनाथ पवहारि संस्कृत महाविद्यालय, बैकुण्ठपुर, देवरिया उ०प्र०
9628987375
shuklamanishkumar04@gmail.com

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	10:22:05	318:29:44	मघा	4	10	सूर्य	केतु	शनि	---
सूर्य			कन्या	25:00:36	00:59:23	चित्रा	1	14	बुध	मंगल	राहु	सम राशि
चंद्र			कन्या	16:39:23	12:36:01	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	शनि	मित्र राशि
मंगल			कर्क	25:39:44	00:35:11	आश्लेषा	3	9	चंद्र	बुध	राहु	नीच राशि
बुध			कन्या	10:29:49	01:37:21	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	चंद्र	उच्च राशि
गुरु			धनु	16:14:51	00:06:46	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	चंद्र	स्वराशि
शुक्र			सिंह	15:12:19	01:10:27	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
शनि	व		मीन	09:00:02	00:04:24	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	शुक्र	सम राशि
राहु	व		कन्या	14:14:33	00:00:06	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	गुरु	मूलत्रिकोण
केतु	व		मीन	14:14:33	00:00:06	उ०भाद्रपद	4	26	गुरु	शनि	राहु	मूलत्रिकोण
हर्ष			मक	06:49:51	00:00:06	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	बुध	---
नेप			मक	01:10:18	00:00:11	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	राहु	---
प्लूटो			वृश्चि	07:33:36	00:01:53	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	केतु	---
दशम भाव			वृष	09:15:28	--	कृतिका	--	3	शुक्र	सूर्य	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:48:45

लग्न-चलित

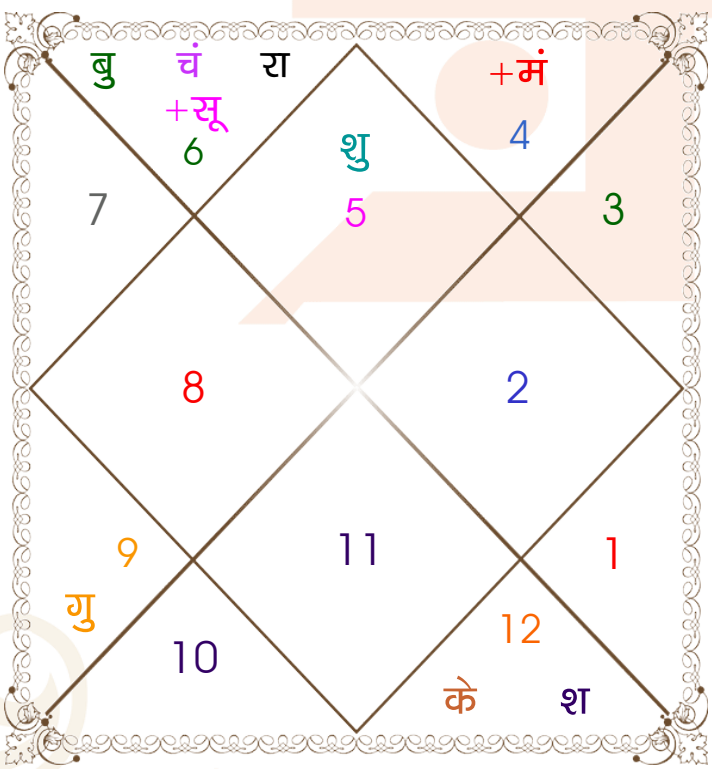

चन्द्र कुंडली

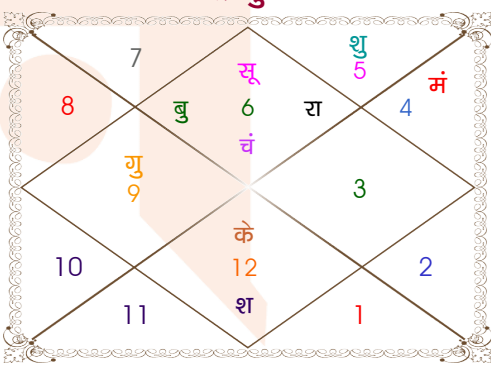

नवमांश कुंडली

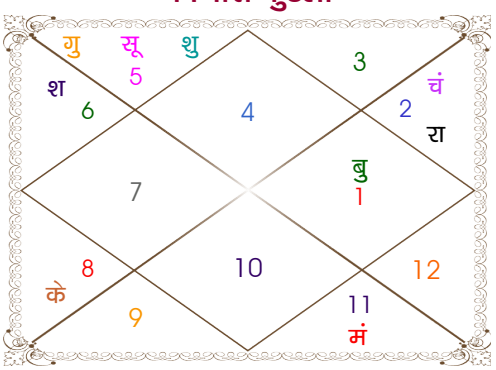

डॉ. मनीष कुमार शुक्ल
श्री बैकुण्ठनाथ पवहारि संस्कृत महाविद्यालय, बैकुण्ठपुर, देवरिया उ०प्र०
9628987375
shuklamanishkumar04@gmail.com

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 5 वर्ष 0 मास 2 दिन

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
12/10/1996		15/10/2001		14/10/2008		15/10/2026		15/10/2042	
15/10/2001		14/10/2008		15/10/2026		15/10/2042		15/10/2061	
	00/00/0000	मंगल	13/03/2002	राहु	28/06/2011	गुरु	02/12/2028	शनि	18/10/2045
	00/00/0000	राहु	31/03/2003	गुरु	20/11/2013	शनि	15/06/2031	बुध	27/06/2048
	00/00/0000	गुरु	06/03/2004	शनि	26/09/2016	बुध	20/09/2033	केतु	06/08/2049
	12/10/1996	शनि	15/04/2005	बुध	16/04/2019	केतु	27/08/2034	शुक्र	05/10/2052
शनि	15/08/1997	बुध	12/04/2006	केतु	03/05/2020	शुक्र	27/04/2037	सूर्य	17/09/2053
बुध	14/01/1999	केतु	08/09/2006	शुक्र	04/05/2023	सूर्य	13/02/2038	चंद्र	19/04/2055
केतु	15/08/1999	शुक्र	09/11/2007	सूर्य	28/03/2024	चंद्र	15/06/2039	मंगल	27/05/2056
शुक्र	15/04/2001	सूर्य	15/03/2008	चंद्र	26/09/2025	मंगल	21/05/2040	राहु	03/04/2059
सूर्य	15/10/2001	चंद्र	14/10/2008	मंगल	15/10/2026	राहु	15/10/2042	गुरु	15/10/2061

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
15/10/2061		15/10/2078		15/10/2085		16/10/2105		16/10/2111	
15/10/2078		15/10/2085		16/10/2105		16/10/2111		00/00/0000	
बुध	12/03/2064	केतु	13/03/2079	शुक्र	13/02/2089	सूर्य	02/02/2106	चंद्र	16/08/2112
केतु	10/03/2065	शुक्र	12/05/2080	सूर्य	13/02/2090	चंद्र	04/08/2106	मंगल	17/03/2113
शुक्र	08/01/2068	सूर्य	17/09/2080	चंद्र	15/10/2091	मंगल	10/12/2106	राहु	15/09/2114
सूर्य	14/11/2068	चंद्र	18/04/2081	मंगल	14/12/2092	राहु	03/11/2107	गुरु	15/01/2116
चंद्र	15/04/2070	मंगल	14/09/2081	राहु	15/12/2095	गुरु	22/08/2108	शनि	13/10/2116
मंगल	12/04/2071	राहु	03/10/2082	गुरु	15/08/2098	शनि	04/08/2109		00/00/0000
राहु	30/10/2073	गुरु	09/09/2083	शनि	16/10/2101	बुध	10/06/2110		00/00/0000
गुरु	05/02/2076	शनि	17/10/2084	बुध	16/08/2104	केतु	16/10/2110		00/00/0000
शनि	15/10/2078	बुध	15/10/2085	केतु	16/10/2105	शुक्र	16/10/2111		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 4 वर्ष 11 मा 24 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

डॉ. मनीष कुमार शुक्ल
श्री बैकुण्ठनाथ पवहारि संस्कृत महाविद्यालय, बैकुण्ठपुर, देवरिया उ०प्र०
9628987375
shuklamanishkumar04@gmail.com

लग्न फल

आपका जन्म मघा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में सिंह लग्नोदय काल हुआ था। साथ-साथ जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर कर्क राशि का नवमांश तथा धनु राशि का द्रेष्काण भी उदित हुआ था। इस समन्वित ग्रह योग के प्रभाव से यह स्पष्ट हो रहा है कि आपका सामान्य एवं वैवाहिक जीवन अति उत्तम रहेगा। आप अपने पिता के साथ अथवा अपने पुत्र के साथ आरामदेह एवं आनंदपूर्ण जीवन बिताएंगे। परंतु यह आभास मिलता है कि आपके पिता के साथ तथा पुत्रों के साथ कोई सामान्य समस्याओं से युक्त दिक्तों का सामना करना पड़ सकता है। आपके जीवन में कतिपय नकारात्मक व्यवधान को छोड़कर शेष जीवन उच्च स्तरीय सुख-सुविधापूर्ण बीतेगा। आप उच्च प्रशासनिक पद पर प्रतिष्ठित होकर पूर्ण फलदायी जीवन व्यतीत करेंगे, तथा अपने पारिवारिक सदस्यों का स्नेह एवं अन्य व्यक्तियों के द्वारा सम्मान प्राप्ति का आनंद प्राप्त करेंगे।

आपको योजना बद्ध तरीके से धन का व्यय करने के प्रति सतर्क रहना होगा। आप अन्य व्यक्तियों के समक्ष अपना प्रभावशाली अस्तित्व को प्रदर्शित करने के लिए अपने लिए तथा पारिवारिक सदस्यों के पहनावा, वस्त्राभूषण पर बहुत अधिक व्यय करेंगे। आप अधिक मात्रा में अपने व्यवसायी पार्टनर तथा मित्रों को घर पर बुला कर, खान-पान एवं सम्मान पर अत्यंत धन का व्यय करेंगे।

आप उदार एवं दानी प्रवृत्ति के व्यक्ति है तथा समाज के कमजोर वर्ग की सहायता हेतु आर्थिक मदद करने की व्यवस्था करेंगे। अस्तु यह संभाव्य है कि आपकी बृद्धावस्था में धन के अभाव का पश्चाताप युक्त दुखद अनुभव करना पड़े। अतएव आपको परिस्थिति के अनुकूल धन के व्यय की उचित योजना बना कर सभी कार्यों का संपादन अर्थात् धन का व्यय करना चाहिए।

आप में जन्म से ही नेतृत्व के गुण विद्यमान है, तथा आपको कब क्या कार्य करना चाहिए। इस बात का भी ज्ञान है। आप अपनी जन्मजात प्रवृति से नेतागिरी का पूर्ण व्यवहार करेंगे। ऐसी आशा है कि आप निगमायुक्त एवं बड़ी कंपनी के उच्च पद पर आसीन होंगे। क्योंकि आप आश्चर्यजनक प्रभावशाली गुण के कारण शीघ्रता पूर्वक चमत्कारपूर्ण संबंध बना लेते हैं। आप सफलता प्राप्ति हेतु किसी भी पद का भार ग्रहण करने के योग्य हैं।

आप अपने अत्याधिक कार्यक्रमों के अनुसार तथा यात्रा क्रम से अत्यंत व्यस्त तथा अनेक कार्यों में संलग्न रहेंगें। आप उत्तरदायीत्व पूर्ण कार्य प्रबंध करते हुए भी अपने पारिवारिक सदस्यों को बहुत स्नेह संबंध के लिए अपना बहुमूल्य समय प्रदान करेंगे।

आप में आंशिक अभिनयात्मक भावना विद्यमान हैं तथा आप में ऐसी सक्षमता है कि परिस्थिति के अनुरूप अपने को उपयुक्त बना लेते हैं। प्रायः आप आनंद प्राप्त करने में निमग्न हो जाया करते हैं। परंतु आप पर्याप्त मात्रा में अच्छे कार्यक्रमों को सुरूचिपूर्ण ढंग से संपादन करते हैं।

डॉ. मनीष कुमार शुक्ल
श्री बैकुण्ठनाथ पवहारि संस्कृत महाविद्यालय, बैकुण्ठपुर, देवरिया उ०प्र०
9628987375
shuklamanishkumar04@gmail.com

आप अधिक दिनों तक स्वस्थ रहेंगे। परंतु वृद्धावस्था में किसी प्रकार का जोखिम भरा कार्य करोगे तो आप हृदय संबंधी दिक्कतों तथा पीठ के रीड की हड्डियों के रोग के भुक्त भोगी होंगे। क्योंकि आपकी प्रवृत्ति उत्तेजनात्मक, चिंताग्रस्त स्वभाव एवं बेसुधपना जीवन के प्रति चिंता बना सकता है। अतः आप शांति ग्रहण कर विश्राम करें। आपके लिए उत्तम तो यह है कि प्रत्येक माह में पूर्णिमा के दिन उपवास रखें।

सम्प्रति प्रायः अधिक लोग काला और सफेद वस्त्रों का त्यागकर देते हैं। परंतु आपके लिए अनुकूल रंग हरा, नारंगी एवं लाल रंग भाग्यशाली है।

आप अंक 2, 7 एवं 8 अंक के प्रति सतर्क रहें क्योंकि ये अंक आपके लिए उपयुक्त नहीं है। इसके अतिरिक्त अंक 1, 4, 5, एवं 6 अंक आपके लिए अनुकूल प्रमाणित होंगे।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

डॉ. मनीष कुमार शुक्ल
श्री बैकुण्ठनाथ पवहारि संस्कृत महाविद्यालय, बैकुण्ठपुर, देवरिया उ०प्र०
9628987375
shuklamanishkumar04@gmail.com